

कान्हा तेरी - गैल तकल मैं हारी ॥२॥

दिन नहीं चैन - रैन नहीं निंदिया ॥२॥

आजा हूँ बिहारी ॥२॥

कान्हा तेरी - - -

आहट पाय - चौंक उठ घाऊँ ॥२॥

लगे सौत उजयारी ॥२॥

कान्हा तेरी - - -

बैरी श्याम पीर - नहीं जाने ॥२॥

हो गई भूल हमारी ॥२॥

कान्हा तेरी - - -

रोग प्रेम को भयो सखी रे ॥२॥

हैंसे आज नर नारी ॥२॥

कान्हा तेरी - - -

आ "श्री बाबा श्री" सुन - अरुन हमारी ॥२॥

लगे मौत अब प्यारी ॥२॥

कान्हा तेरी - - -

हारी रे ॥३॥ गैल तकल मैं हारी.